>

Title: Problems being faced by the people due to lack of commercial banks in Supaul Parliamentary Constituency of Bihar.

श्री विश्व मोहन कुमार (सुपौल): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र सुपौल जो नेपाल के तराई एवं कोसी नदी की मांद में बसा है, उसके जनिहत की समस्या को उठाना चाहता हूँ। मेरे संसदीय क्षेत्र में व्यवसायिक बैंक की बहुत कमी है। इस संदर्भ में पूर्व में भी 26 अगस्त 2009 एवं 9 नवम्बर 2010 को नियम 377 एवं शून्य काल के तहत माननीय वित्त मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट किया गया था। निर्मली प्रखण्ड के कुणौली बाजार एवं त्रिवेणीगंज के जदिया में भी व्यवसायिक बैंक खोलने का आग्रह किया गया था। किंतु माननीय वित्त राज्यमंत्री जी ने 24 जनवरी 2011 को पत्र के माध्यम से यह हवाला देते हुए बैंक खोलने से मना कर दिया था कि वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार वहां की आबादी मात्र दस हजार है।

महोदय, वर्ष 2001 के बाद जो जनगणना हुई है, उसमें उन जगहों की आबादी लाखों में है। जहां बैंक खोलने हैं, वहां आबादी बहुत बढ़ गयी है। साथ ही साथ वहां थाना, ब्लांक, कॉलेज एवं वहां पर एस.एस.बी. कैम्प भी है। ईस्ट-वेस्ट कॉरीडार बनने के चलते वहां पर गैमन इंडिया का भी बहुत बड़ा व्यावसायिक प्रतिष्ठान बना हुआ है। वहां प्रतिदिन करोड़ों का ट्रंजैक्शन होता है। वित्त मंत्री जी ने बजट पेश करते समय एक हजार की आबादी पर बैंक खोलने की बात कही थी, उनकी तरफ से यह आश्वासन भी दिया गया था।

अतः मैं माननीय वित्त मंत्री जी से आपके माध्यम से आग्रह करता हूं कि शीघ्रातिशीघ्र व्यावसायिक बैंक जदिया और कुणौली में खोलने का आदेश निर्गत करें ताकि वहां पर लोगों को सुविधा मिल सके।